

पत्र सूचना कार्यालय, (रक्षा विंग)
भारत सरकार

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, अश्विन 24, 1945
सोमवार, अक्टूबर 16, 2023

रक्षा मंत्रालय ने आईएनएस ब्यास के मिड लाइफ अपग्रेड और उसे पुनः सशक्त बनाने के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

रक्षा मंत्रालय ने कोच्चि स्थित एम/एस कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ 313.42 करोड़ रुपये की कुल लागत वाले एक अनुबंध पर 16 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध के तहत "आईएनएस ब्यास" के मिड लाइफ अपग्रेड और उसे पुनः सशक्त बनाने का कार्य किया जाएगा।

आईएनएस ब्यास ब्रह्मपुत्र श्रेणी का पहला युद्धपोत होगा जो भाप के स्थान पर डीजल से पुनः संचालित होगा। मिड लाइफ अपग्रेड और उसे पुनः सशक्त बनाने का कार्य पूरा होने के बाद, आईएनएस ब्यास आधुनिक हथियार भंडार और उन्नत लड़ाकू क्षमता के साथ 2026 में भारतीय नौसेना के सक्रिय बेड़े में शामिल हो जाएगा।

पोत को पुनः सशक्त बनाने की यह पहली परिवर्तनकारी परियोजना भारतीय नौसेना के रखरखाव संबंधी दर्शन और मेसर्स सीएसएल की मरम्मत क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाने वाली साबित होगी। इस परियोजना में 50 से अधिक एमएसएमई शामिल होंगे और इससे 3500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। यह परियोजना भारत सरकार की मेक-इन-इंडिया पहल के अनुरूप आत्मनिर्भर भारत का गौरवशाली ध्वजवाहक होगी।



एबीबी/स्वामी
